

छात्रों की सीखने की प्रक्रिया पर सोशल मीडिया के प्रभाव की समीक्षा

श्वेता द्विवेदी^{1*}, डॉ. सोनिया गारग²

1 रिसर्च स्कॉलर, श्री कृष्ण विश्वविद्यालय, छतरपुर, मध्य प्रदेश, भारत

diganthot9@gmail.com

2 एसोसिएट प्रोफेसर, श्री कृष्ण विश्वविद्यालय, छतरपुर, मध्य प्रदेश, भारत

सार - यह शोध छात्रों की सीखने की प्रक्रिया पर सोशल मीडिया के प्रभाव की समीक्षा करता है। डिजिटल युग में सोशल मीडिया का उपयोग शिक्षा के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करता है। यह अध्ययन सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभावों का विश्लेषण करता है। सकारात्मक दृष्टिकोण से, सोशल मीडिया शिक्षण सामग्री तक आसान पहुँच, सहपाठियों और शिक्षकों के साथ संवाद और शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देता है। नकारात्मक प्रभावों में ध्यान भटकाना, समय की बर्बादी, और गलत जानकारी का प्रसार शामिल है। शोध में यह भी देखा गया कि सोशल मीडिया के उपयोग से छात्रों की सृजनात्मकता और सहयोग कौशल में वृद्धि हो सकती है, बशर्ते इसका सही तरीके से उपयोग किया जाए। अंततः, यह समीक्षा छात्रों के लिए सोशल मीडिया के विवेकपूर्ण उपयोग और शिक्षकों व अभिभावकों की भूमिका को रेखांकित करती है।

मुख्य शब्द - सोशल मीडिया, डिजिटल युग, छात्र, शिक्षक, शिक्षा, शैक्षणिक प्रगति

1. परिचय

डिजिटल युग में, सोशल मीडिया एक शक्तिशाली शक्ति के रूप में उभरा है जिसने हमारे संवाद करने, जानकारी साझा करने और दूसरों से जुड़ने के तरीके को फिर से परिभाषित किया है। शुरू में सामाजिक संपर्क और नेटवर्किंग के लिए प्लेटफ़ॉर्म के रूप में डिज़ाइन किए गए, इन डिजिटल स्पेस ने शिक्षा सहित हमारे जीवन के हर पहलू में प्रवेश किया है। शिक्षा पर सोशल मीडिया का गहरा प्रभाव निर्विवाद है, जो सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरीकों से सीखने के परिदृश्य को आकार देता है। इस बहुआयामी प्रभाव ने व्यापक बहस और शोध को जन्म दिया है, क्योंकि शिक्षक, छात्र, अभिभावक और नीति निर्माता इस तकनीकी क्रांति के निहितार्थों से जूझ रहे हैं। शिक्षा में सोशल मीडिया का एकीकरण कोई हालिया विकास नहीं है। 2000 के दशक के मध्य में ही, शिक्षकों ने शिक्षण और सीखने के लिए पूरक उपकरण के रूप में फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब जैसे प्लेटफ़ॉर्म की क्षमता को पहचानना शुरू कर दिया था। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों में, इस एकीकरण का दायरा और गहराई काफी विकसित हुई है, जिसने शिक्षा के एक नए युग की शुरुआत की है, जिसकी विशेषता डिजिटल कनेक्टिविटी, सहयोग और सूचना

पहुँच है। जैसे-जैसे हम सोशल मीडिया और शिक्षा के बीच के इस जटिल रिश्ते की गहराई में जाते हैं, यह स्पष्ट हो जाता है कि यह एक दोधारी तलवार है, जो अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रदान करती है।

इस लेख का उद्देश्य शिक्षा पर सोशल मीडिया के प्रभावों की एक व्यापक जांच प्रदान करना है, जिसमें इन प्लेटफार्मों ने शैक्षिक अनुभव के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करने के तरीकों की खोज की है। यह स्वीकार करना आवश्यक है कि जहाँ सोशल मीडिया शिक्षा को बढ़ाने की जबरदस्त क्षमता प्रस्तुत करता है, वहीं यह कई चिंताओं और कमियों को भी सामने लाता है। खेल में सूक्ष्म गतिशीलता को समझने के लिए, हमें शिक्षा पर सोशल मीडिया के प्रभाव के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों आयामों पर गहराई से विचार करना चाहिए।

21वीं सदी में, हमारे दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी के तेजी से एकीकरण ने शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव लाए हैं। हाल के वर्षों में उभरने वाली सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी घटनाओं में से एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की सर्वव्यापी उपस्थिति है जबकि आधुनिक समाज के लगभग हर पहलू में उनका प्रभाव स्पष्ट है, शिक्षा के क्षेत्र में सोशल मीडिया का प्रभाव विशेष रूप से गहरा और बहुआयामी है। सोशल मीडिया और शिक्षा के प्रतिच्छेदन ने अवसरों और चुनौतियों के एक जटिल अंतर्संबंध को जन्म दिया है, जिसने अभूतपूर्व तरीकों से सीखने के परिदृश्य को नया रूप दिया है। यह एक ऐसी घटना है जो विकसित होती रहती है, जो शिक्षकों, छात्रों और नीति निर्माताओं को रोमांचक संभावनाओं और दबाव वाली चिंताओं दोनों के साथ प्रस्तुत करती है। इस निबंध का उद्देश्य सोशल मीडिया और शिक्षा के बीच इस गतिशील संबंध को समझना है, जिसमें उन बहुआयामी तरीकों की खोज की गई है जिनसे सोशल मीडिया ने शैक्षिक परिदृश्य को प्रभावित किया है और प्रभावित करना जारी रखा है। इसके मूल में, शिक्षा ज्ञान के प्रसारण, आलोचनात्मक सोच कौशल के पोषण और दुनिया की जटिलताओं को नेविगेट करने वाले पूर्ण विकसित व्यक्तियों के विकास के बारे में है। अतीत में, यह प्रक्रिया मुख्य रूप से एक भौतिक कक्षा की सीमाओं के भीतर होती थी, जहाँ शिक्षक व्याख्यान देते थे, छात्र नोट्स लेते थे और पाठ्यपुस्तकें सूचना का प्राथमिक स्रोत होती थीं। हालाँकि, डिजिटल युग ने एक नए युग की शुरुआत की है जहाँ पारंपरिक कक्षा की सीमाएँ ईंटों और मोर्टार से आगे बढ़ गई हैं। सोशल मीडिया के आगमन के साथ, शिक्षा भौतिक स्थान और समय की सीमाओं को पार कर गई है। सोशल नेटवर्क साइट्स के उद्भव ने शिक्षण और सीखने की गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए संचार उपकरणों में क्रांति ला दी है। हाल के वर्षों में, सोशल नेटवर्किंग लोगों के बीच सबसे महत्वपूर्ण संचार उपकरणों में से एक बन गया है; जो इंटरनेट के माध्यम से मौजूद है जो भारी मात्रा में लोगों के लिए पहुंच प्रदान करता है। शिक्षण और सीखने में सोशल नेटवर्किंग साइट्स (एसएनएस) को लागू करना एसएनएस को अपनाने

पर सकारात्मक प्रभाव डालता है और सीखने और सिखाने के नए दिनों के द्वार खोलता है। सोशल नेटवर्क मुख्य रूप से पहचान, नेटवर्क बुनियादी ढांचे, गोपनीयता की चिंता, तकनीकी मुद्दों और शिक्षण और सीखने के लिए एक उपकरण के रूप में इसके उपयोग की आवश्यकता पर केंद्रित है (केविन, पी. बी., लोरी बी. एच., और बेथनी, वी. एस. (2010); कुह, जी.डी. (1995)।

2. सोशल मीडिया

मीडिया (मीडियम का बहुवचन) एक और शब्द है जिसकी कई परिभाषाएँ हैं और मैं तर्क दूंगा कि इसके दो अलग-अलग अर्थ हैं जो शिक्षण और सीखने के लिए प्रासंगिक हैं, दोनों ही तकनीक की परिभाषाओं से अलग हैं। 'मीडियम' शब्द लैटिन से आया है, जिसका अर्थ है बीच में (एक माधिका) और वह भी जो मध्यस्थ या व्याख्या करता है। मीडिया को सामग्री और/या संचार के निर्माण के एक सक्रिय कार्य की आवश्यकता होती है, और कोई ऐसा व्यक्ति जो संचार को प्राप्त करता है और समझता है, साथ ही साथ ऐसी प्रौद्योगिकियाँ जो माध्यम को ले जाती हैं।

कपलान और हेनलिन (2010) सोशल मीडिया को इस प्रकार परिभाषित करते हैं: इंटरनेट-आधारित अनुप्रयोगों का एक समूह जो वेब 2.0 की वैचारिक और तकनीकी नींव पर निर्मित होता है और जो उपयोगकर्ता-जनित सामग्री के निर्माण और आदान-प्रदान की अनुमति देता है। यह सामाजिक संचार से परे एक सुपर-सेट के रूप में सामाजिक संपर्क के लिए एक माध्यम है जो सर्वव्यापी रूप से सुलभ और स्केलेबल संचार तकनीकों द्वारा सक्षम है। (पृष्ठ 63)

सोशल मीडिया में टेक्स्ट, ऑडियो, वीडियो, चित्र, पॉडकास्ट और अन्य मल्टीमीडिया संचार शामिल हो सकते हैं। आज के सामाजिक क्षेत्र में सोशल मीडिया निस्संदेह सूचना और समाचारों के सबसे शक्तिशाली स्रोतों में से एक है, और ट्विटर, फेसबुक और विकी जैसे प्लेटफार्मों द्वारा सहायता प्राप्त निरंतर अपडेट है। (राल्फ और राल्फ, 2013. पृ.451)। सोशल मीडिया में विभिन्न ऑनलाइन प्रौद्योगिकी उपकरण शामिल हैं जो लोगों को इंटरनेट के माध्यम से आसानी से संवाद करने और सूचना और संसाधनों को साझा करने में सक्षम बनाते हैं।

प्रेस्की (2006) ने कहा कि: हमारे छात्र अब "हमारे छोटे संस्करण" नहीं हैं, जैसा कि वे अतीत में हो सकते थे। वास्तव में, वे हमसे इतने अलग हैं कि हम अब अपने 20वीं सदी के ज्ञान या अपने प्रशिक्षण का उपयोग उनके लिए शैक्षणिक रूप से सर्वश्रेष्ठ के रूप में मार्गदर्शक के रूप में नहीं कर सकते हैं। डिजिटल मूल निवासी के रूप में हमारे छात्र इतनी तेजी से विकसित और बदलते रहेंगे कि हम उनके साथ तालमेल नहीं रख पाएंगे (पृष्ठ 9)।

शिक्षा में सोशल मीडिया में फेसबुक, ट्विटर, लिंकड-इन, गूगल प्लस, संदेश बोर्ड और ब्लॉगिंग शामिल हैं, जिनमें से फेसबुक सबसे आगे है। 2008-2009 में 61% लोग फेसबुक का इस्तेमाल कर रहे थे और 2009-10 में यह 87% हो गया और 2010-11 में 98% तक पहुँच गया। शैक्षणिक संस्थान छात्रों और शिक्षकों को नवीनतम घोषणाओं से अपडेट करने के लिए माइक्रो-ब्लॉगिंग का मुख्य रूप से उपयोग कर रहे हैं। 2008-09 में 0% उपयोग से, विकास ग्राफ 2009-10 में 59% और अंततः 2011 में 84% हो गया। ब्लॉगिंग ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापक लोकप्रियता हासिल की है। वर्ष 2008-09, 2009-10 और 2010-11 में इसका उपयोग क्रमशः 48%, 46% और 47% रहा है। इसी तरह संदेश बोर्डों का उपयोग निरंतर स्तर पर रहा जो 2008-09 में 36% से शुरू होकर 2009-10 में 38% और 2010-11 में 37% हो गया। स्कूल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए प्रौद्योगिकी अपना रहे हैं और कक्षा में सोशल मीडिया की शुरुआत कर रहे हैं। यह एक ऐसा चलन है जिसने बहुत समर्थन के साथ-साथ आशंका भी पैदा की है (मधुसूदन जी. तंदले, और रघु रमन। 2016)। पिछले कुछ वर्षों में, वर्चुअल सोशल नेटवर्क के माध्यम से बातचीत की अनुमति देने वाले कार्यक्रमों, जिन्हें एसएनएस के रूप में जाना जाता है, ने एक प्रामाणिक क्रांति ला दी है, दोनों ही मामलों में उनके तेजी से आत्मसात होने के साथ-साथ आगे के अनुप्रयोगों में उनके विस्तार के संदर्भ में भी। सोशल नेटवर्क तेजी से विविध सामाजिक समूहों के बीच शक्तिशाली बातचीत के स्थान बन गए हैं, जिनमें से कुछ अत्यधिक विशिष्ट हैं, और जहां समान रुचियों वाले लोगों से मिलना या दूसरों के साथ फिर से मिलना संभव है, जैसा कि लिंकडइन, ट्विटर और फेसबुक के मामले में है।

3. सोशल मीडिया एक प्रभावी शिक्षण-अधिगम उपकरण है

इसका उत्तर बहुत सरल है, सोशल मीडिया व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण (PLE) बनाता है जिसे एक ऐसी प्रणाली के रूप में देखा जा सकता है जो सीखने के लिए एक व्यक्तिगत ढांचा बनाने की अवधारणा पर बनी है, जो किसी के लक्ष्यों और रुचियों के अनुरूप है।

व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण का मुख्य फोकस शिक्षार्थी है। यह छात्र केंद्रित दृष्टिकोण पर काम करता है। उपकरण, सेवाएँ और समुदाय व्यक्तिगत शैक्षिक प्लेटफ़ॉर्म का निर्माण करते हैं जो शिक्षार्थियों को अपने स्वयं के सीखने को निर्देशित करने और शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं।

ब्लॉग व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण का उदाहरण हो सकते हैं, सामग्री पर छात्रों द्वारा की गई टिप्पणियाँ उनके सीखने और वेब पर मौजूद जानकारी पर आधारित होती हैं - YouTube जैसी साइटों पर या समाचार एजेंसियों से रियली सिंपल सिंडिकेट (RSS) फ़ीड में। अधिकांश व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण

का मुख्य ध्यान ऑनलाइन वातावरण पर होता है व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण बाहरी रूप से होस्ट किए गए (क्लाउड में) वेब 2.0 टूल और सेवाओं पर बनाए गए हैं, जो छात्रों को संसाधनों को एकत्र करने और साझा करने, सामूहिक ज्ञान निर्माण में भाग लेने और अपने स्वयं के अर्थ का प्रबंधन करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण छात्रों को अपने सीखने के माहौल का प्रभार लेने की अनुमति देता है, जिसमें प्रभावी ढंग से और कुशलता से सीखने के लिए सीखने की सामग्री को बनाने, व्यवस्थित करने और पैकेज करने के लिए उपकरणों और संसाधनों का चयन शामिल है। ये मूल रूप से स्व-निर्देशित हैं जो व्यक्तियों को अपनी गति से अपने सीखने के लिए जिम्मेदार बनाते हैं। व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण में संस्थागत लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) की तुलना में बढ़त है क्योंकि यह शिक्षार्थी को नियंत्रण और व्यक्तिगत वातावरण देता है जो LMS में अनुपस्थित है। क्लार्क, लोगान, लकिन, मी और ओलिवर (2009) ने औपचारिक और अनौपचारिक सीखने के संदर्भ में किशोर छात्रों द्वारा वेब 2.0 की धारणा और उपयोग की जांच की। कक्षाओं और स्कूलों में होने वाली शिक्षा, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षार्थियों को ग्रेड, डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाण पत्र मिलते हैं, औपचारिक शिक्षा के रूप में जाना जाता है। जबकि सीखने वाला व्यक्ति जो अवलोकन, परीक्षण और त्रुटि, मदद माँगने, दूसरों से बातचीत करने, कहानियाँ सुनने, दिन भर की घटनाओं पर विचार करने या सामान्य रुचियों से प्रेरित होकर सीखता है, उसे अनौपचारिक शिक्षा के रूप में जाना जाता है।

व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जा सकता है जो अपने स्वयं के सीखने को कई संदर्भों में व्यवस्थित करता है जहाँ अनौपचारिक सीखने का उपयोग औपचारिक सीखने के पूरक के रूप में किया जा सकता है और कहा कि व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण ई-लर्निंग की समझ को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जबकि वेब 2.0 प्रौद्योगिकियाँ छात्रों की अनौपचारिक शिक्षा को बढ़ा रही हैं, व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण को औपचारिक और अनौपचारिक सीखने के स्थानों के जानबूझकर या जानबूझकर एकीकरण के लिए एक आशाजनक शैक्षणिक दृष्टिकोण के रूप में माना जा सकता है। विशेष रूप से, एक व्यक्तिगत शिक्षण वातावरण में सोशल मीडिया टूल होते हैं जो छात्रों को सक्षमता या ज्ञान प्राप्त करने की अनुमति देते हैं, भले ही वह टूल किसी अन्य छात्र के साथ कक्षा प्रोजेक्ट के बारे में बातचीत करने या किसी प्रोजेक्ट को कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस पर उदाहरण या सुझाव खोजने के लिए ऑनलाइन जाने में सक्षम हो।

4. छात्रों की शैक्षणिक प्रगति पर सोशल मीडिया का प्रभाव

गुडेलीवार एट अल. (2019) के अनुसार, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शिक्षकों और छात्रों को दूसरों के साथ सहयोग करने, बातचीत करने या संवाद करने और ऑनलाइन संसाधनों तक पहुँचने में सक्षम

बनाता है। यह छात्रों के ग्रेड में सुधार करता है और कक्षा में अनुपस्थिति को कम करता है, जो अकादमिक ग्रेड और प्रदर्शन को प्रभावित करता है। कोल्हार, काज़ी और अलामीन (2021) और अलनजादत, हमीदी, समा, किलानी और हसवान (2021) सुझाव देते हैं कि छात्र रोज़मर्रा के कार्यों (गतिविधियों) के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से एक के रूप में दर्ज किए जाते हैं। गुडेलीवार एट अल. (n.d.) के शोध में पाया गया कि 51% छात्रों ने अकादमिक असाइनमेंट के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया, जबकि 60% ने अकादमिक विषय पर चर्चा के लिए इसका इस्तेमाल किया।

अघाई (2010) ने यह भी उल्लेख किया कि 64% छात्रों ने कक्षा की गतिविधियों में साथी छात्रों के साथ जुड़ने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया, जबकि 41% ने अकादमिक कार्य करते समय इसका इस्तेमाल किया। सोशल मीडिया का उपयोग बढ़ गया है, जो छात्रों की अकादमिक-संबंधित गतिविधियों और चर्चाओं पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव डालता है। अलनजादत, हमीदी, समा, किलानी और हसवान (2021) के अनुसार, सोशल मीडिया का उपयोग छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाता है। उपयोग में वृद्धि के अलावा, उपयोगकर्ताओं (छात्रों) की संस्कृति उच्च शिक्षा संस्थानों में एसएमपी को अपनाने को प्रभावित करती है (बालकृष्णन एट अल., 2017)। यह तथ्य कि संस्कृति छात्रों के सोशल मीडिया उपयोग और अपनाने को प्रभावित करती है, यह दर्शाता है कि उनके इरादे मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं।

उच्च शिक्षा संस्थानों में सोशल मीडिया का उपयोग दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। विद्वानों का मानना है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र व्यक्तिगत और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, जो वृद्धि को बढ़ावा देता है (मबाथा, 2014; कर्वोनिडिस, चिमोस, बर्सिमिस और डौलीगेरिस, 2014; रोजर्स-एस्टेबल, 2014; आयडिन, 2012)। एक अध्ययन से पता चला है कि ऑस्ट्रेलिया में 81.9% छात्र फेसबुक का उपयोग करके सीखने में संलग्न हैं, जिसका अर्थ है कि फेसबुक एक सहयोगी और सहकारी सीखने की प्रक्रिया में मदद कर सकता है (बालकृष्णन एट अल., 2017)। यह खोज बताती है कि अन्य ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म की तुलना में सोशल मीडिया छात्रों को औपचारिक और अनौपचारिक शैक्षणिक वातावरण में क्या प्रदान कर सकता है। सैंटोवेना-कैसल (2019) का मानना है कि व्याख्याता और शिक्षार्थी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म अपनाते हैं, जो उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। छात्र लगातार अपने सोशल मीडिया स्टेटस की जाँच करते हैं, जो अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें चर्चा, सीखने, विचारों, ज्ञान और सूचनाओं के आदान-प्रदान में संलग्न होने की अनुमति देता है। सोशल मीडिया ने छात्रों के लिए नए ज्ञान और कौशल सीखने के नए अवसर खोले हैं।

सोबैह, मुस्तफा, घंडफोरौश और खान (2016) के शोध निष्कर्षों के अनुसार, सोशल मीडिया उच्च शिक्षा संस्थानों की शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं को लाभ पहुँचाता है। व्याख्याता और छात्र सोशल मीडिया के माध्यम से सीख सकते हैं, जो उन्हें सीखने की सामग्री और कनेक्टिविटी साझा करने में सहायता करता है (अलहबी एट अल., 2015)। नथाला (2019) के अनुसार, सीखने की तकनीक के रूप में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फ़ायदेमंद है, लेकिन गलत तरीके से इस्तेमाल किए जाने पर यह विनाशकारी भी हो सकता है। हालाँकि, स्मार्टफ़ोन और डेटा तक पहुँच की उच्च लागत के कारण शिक्षण और सीखने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कम किया जाता है। व्याख्याता उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के साथ संवाद करने और सामग्री साझा करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना शुरू कर रहे हैं।

5. कक्षा में सोशल मीडिया

शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में सोशल मीडिया के एकीकरण ने विभिन्न रूप धारण कर लिए हैं, जिसमें शिक्षक छात्रों की सहभागिता, सहयोग और सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्लेटफॉर्म का लाभ उठा रहे हैं। शैक्षणिक सेटिंग्स में सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में से कुछ में शामिल हैं:

- **फेसबुक:** अपने विशाल उपयोगकर्ता आधार और मजबूत सुविधाओं के साथ, फेसबुक वर्चुअल क्लासरूम, चर्चा समूह बनाने और सहकर्मी से सहकर्मी बातचीत की सुविधा प्रदान करने के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बन गया है। शिक्षक पाठ्यक्रम सामग्री साझा करने, चर्चा शुरू करने और छात्रों के बीच समुदाय की भावना को बढ़ावा देने के लिए Facebook समूहों का उपयोग कर सकते हैं।
- **ट्विटर:** माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म की वास्तविक समय प्रकृति और हैशटैग कार्यक्षमता इसे लाइव चर्चा आयोजित करने, शैक्षिक संसाधनों को साझा करने और छात्रों को उनकी पढ़ाई से संबंधित वर्तमान घटनाओं और रुझानों के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक आदर्श उपकरण बनाती है।
- **इंस्टाग्राम:** एक अत्यधिक विजुअल प्लेटफॉर्म के रूप में, इंस्टाग्राम छात्रों को अपने रचनात्मक कार्य प्रदर्शित करने, विजुअल और रील वीडियो के माध्यम से शैक्षिक सामग्री साझा करने और टिप्पणियों और प्रत्यक्ष संदेशों के माध्यम से चर्चा में शामिल होने के अवसर प्रदान करता है। युवा पीढ़ी के बीच

प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता इसे सीखने के अनुभवों को बढ़ाने के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

- **यूट्यूब:** यूट्यूब जैसे वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म शैक्षिक सामग्री का खजाना प्रदान करते हैं, जिसमें निर्देशात्मक वीडियो से लेकर वृत्तचित्र और व्याख्यान तक शामिल हैं। शिक्षक पारंपरिक शिक्षण विधियों के पूरक के लिए इन संसाधनों का लाभ उठा सकते हैं और छात्रों को अपने स्वयं के वीडियो प्रोजेक्ट बनाने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

इन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कक्षाओं में चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने, शैक्षिक संसाधनों को साझा करने, सहयोग को बढ़ावा देने और छात्र-शिक्षक तथा सहकर्मी-सहकर्मी बातचीत को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। सोशल मीडिया के एकीकरण का उद्देश्य एक अधिक गतिशील और आकर्षक शिक्षण वातावरण बनाना है जो आज के छात्रों की डिजिटल मूल मानसिकता के साथ संरेखित हो। हालांकि, शैक्षिक सेटिंग्स में सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के लिए सावधानीपूर्वक योजना, कार्यान्वयन और निगरानी की आवश्यकता होती है। शिक्षकों को इन प्लेटफॉर्मों के जिम्मेदार और उत्पादक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और नीतियां स्थापित करनी चाहिए, साथ ही गोपनीयता संबंधी चिंताओं, सूचना की विश्वसनीयता और डिजिटल विभाजन के मुद्दों जैसी संभावित चुनौतियों का भी समाधान करना चाहिए।

6. उच्च शिक्षा में सोशल मीडिया

जैसा कि फर्डिंग (2007) सुझाव देते हैं, सामाजिक नेटवर्किंग शिक्षार्थियों के बीच बातचीत को बढ़ावा देती है और संभावित रूप से सक्रिय सीखने में सुधार करती है, जैसा कि छात्र-केंद्रित रचनावादियों के वातावरण में होता है। ऑनलाइन सीखने के माहौल में, शिक्षार्थियों का एक सामाजिक समुदाय जो ज्ञान, मूल्यों और लक्ष्यों को साझा करता है। ऑनलाइन सीखने में समुदाय की भावना दो घटकों से मिलकर बनी होती है:

1. जुड़ाव, जो छात्रों की एकजुटता, भावना, विश्वास और अन्योन्याश्रितता की भावनाओं को संदर्भित करता है, और
2. सीखना, जो छात्रों की भावनाओं को संदर्भित करता है कि उनके सीखने के लक्ष्य और अपेक्षाएँ किस हद तक संतुष्ट हैं।

7. शैक्षिक विकास के लिए सोशल मीडिया का अनुप्रयोग

सोशल नेटवर्किंग साइट्स लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बन गई हैं। मनोविज्ञान, दर्शन, शिक्षा और हाल ही में संचार विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों के शोधकर्ताओं ने सोशल नेटवर्क के अध्ययन में महत्वपूर्ण रुचि दिखाई है। अकादमिक छात्रवृत्ति के विस्तार में नई डिजिटल तकनीकों की शक्ति पर विद्वानों द्वारा शायद ही कभी सवाल उठाया जाता है।

शैक्षणिक संस्थानों ने महसूस किया है कि सोशल नेटवर्किंग साइट्स युवा पीढ़ी के छात्रों के लिए अत्यधिक सुलभ हैं। छात्र शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग करते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स के भीतर स्थापित विभिन्न नेटवर्क और सामाजिक संरचना ने शिक्षकों और छात्रों के बीच बेहतर बातचीत की सुविधा प्रदान की है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स ने अध्ययन समूहों के गठन, शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देने और आधुनिक समय में दूरस्थ और परिसर आधारित शिक्षा के लिए अकादमिक समर्थन को बढ़ाने में मदद की है। सोशल मीडिया की पहुँच ने आधुनिक समय में छात्रों के सामाजिक बहिष्कार को कम किया है। उन्होंने शिक्षार्थियों की आत्म-प्रभावकारिता को भी बढ़ाया है। व्यक्तिगत सुरक्षा और सीखने के माहौल और सामाजिक नेटवर्क में आत्मविश्वास को सक्षम करने के लिए प्रामाणिकता और विश्वास को सुविधाजनक बनाया जाना चाहिए (लाइकार्डी एट अल 2007:155)। ऑनलाइन सोशल नेटवर्किंग (OSN) गतिविधियाँ दुनिया भर में उच्च शिक्षा में अधिक प्रचलित हो गई हैं। कुछ विश्वविद्यालयों ने अपने शैक्षणिक सेटअप में कंप्यूटर, टैबलेट और अन्य प्रौद्योगिकी चैनलों के उपयोग को शामिल किया है। छात्र सोशल मीडिया पर बहुत समय बिता रहे हैं और उन्हें इस तरह के एप्लिकेशन का उपयोग करने वाली सबसे बड़ी श्रेणी माना जाता है (ग्रिफ़िथ और लियाणागे 2008:93)। समकालीन युवाओं के लिए आभासी और वास्तविक दुनिया के बीच की रेखाएँ तेज़ी से धुंधली हो रही हैं। मीडिया प्रौद्योगिकियाँ एक महत्वपूर्ण सामाजिक चर हैं और भौतिक और आभासी दुनिया मनोवैज्ञानिक रूप से जुड़ी हुई हैं। आभासी दुनिया प्रौद्योगिकी के भौतिक दुनिया के उपयोग से विकासात्मक मुद्दों के लिए एक खेल के मैदान के रूप में कार्य करती है जो छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन को सकारात्मक या प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकती है। जिन छात्रों ने इंटरनेट आधारित सोशल मीडिया का उपयोग किया, उन्होंने रीडिंग स्کیل टेस्ट में उच्च स्कोर किया और साथ ही उच्च ग्रेड भी प्राप्त किए (सुब्रह्मण्यम और ग्रीनफील्ड 2008:232)।

यह माना जा सकता है कि ओपन वेब 2.0 सोशल नेटवर्किंग साइट्स के उपयोग को औपचारिक शिक्षा सेटिंग में एकीकृत करने से इस पर और अधिक खोज करने की आवश्यकता है। यह विषय डिजाइनरों और व्याख्याताओं के लिए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से पहले वेब 2.0 प्रौद्योगिकियों के उपयोग की

योजना बनाने में काफी समय लगाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। यह यह भी सुझाव देता है कि व्याख्याताओं को ऐसे छात्रों की मदद करने में काफी तकनीकी सहायता की भूमिका निभानी पड़ सकती है जो ऐसी प्रौद्योगिकियों के लिए नए हैं (लॉकियर और पैटरसन 2008:156)।

सोशल मीडिया को पारंपरिक संचार विधियों के तार्किक विस्तार के रूप में माना जाता है। सोशल मीडिया ने भारत में भी छात्रों और युवाओं का ध्यान आकर्षित किया है। अध्ययनों से पता चला है कि शैक्षणिक संस्थानों और समाज में युवा उपयोगकर्ताओं के बीच इसका उपयोग सबसे अधिक है। सोशल मीडिया ने शैक्षणिक और सामाजिक सेटिंग्स में बातचीत करने का बहुत तेज़ और अधिक सुविधाजनक तरीका प्रदान किया है (नीलमलर और चित्रा 2009:171)। अध्ययनों से पता चला है कि छात्र सोशल मीडिया का उपयोग करके नए तरीकों से सीखते हैं और शिक्षकों को इन नए प्लेटफॉर्मों को अपनाना चाहिए।

शैक्षणिक संस्थानों, प्रशिक्षकों और छात्रों के उद्देश्य के लिए गतिविधियों का समर्थन करने वाले उपकरण के रूप में सोशल नेटवर्क का उपयोग महत्वपूर्ण माना जाता है। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सामाजिक संबंधों को बनाए रखने और मजबूत करने का एक तरीका प्रदान करता है, जो सामाजिक और शैक्षणिक दोनों सेटिंग्स में फायदेमंद हो सकता है। उच्च शिक्षण संस्थानों ने अपने शिक्षण, शोध और जनसंपर्क गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों की विविधता को शामिल करना शुरू कर दिया है। डिजिटल तकनीकों के इस समावेश ने कई मंचों पर चर्चा को आकर्षित करना शुरू कर दिया है। विशेष रूप से, पिछले कुछ वर्षों में शिक्षाविदों से सोशल मीडिया टूल और प्लेटफॉर्म का उपयोग करने की मांग उठी है।

छात्र अध्ययन के लिए मुख्य रूप से वेब आधारित उपकरणों पर निर्भर हैं क्योंकि संसाधन उनके लिए स्वतंत्र रूप से सुलभ हैं। सोशल मीडिया उपकरण भी सीखने की प्रक्रिया में एक पूरक भूमिका निभाते हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों को छात्रों के साथ बहुस्तरीय बातचीत के माध्यम से सामाजिक स्तरों पर अध्ययन का समर्थन करने के लिए आधुनिक प्रणाली और तरीके प्रदान करने की चुनौती है (अल-रहमी और ओथमान 2009:14)। फेसबुक ने अपनी शुरुआत से ही कॉलेज के छात्र आबादी में लोकप्रियता हासिल की है। जीपीए और अध्ययन के समय के लिए फेसबुक उपयोगकर्ताओं और गैर-उपयोगकर्ताओं के बीच महत्वपूर्ण अंतर पाए गए, ये अंतर स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र नमूनों में बने रहे। विश्वविद्यालय प्रशासक शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए फेसबुक को एक शिक्षण उपकरण के रूप में उपयोग करने पर विचार कर सकते हैं, या मनोरंजन के लिए फेसबुक के उपयोग को रोकने और बेहतर समय-प्रबंधन कौशल को बढ़ावा देने के तरीके खोज सकते हैं (कार्पिस्की 2009:130)। छात्र ब्लॉग, विकी या

पॉडकास्ट के माध्यम से अपने काम को व्यापक दर्शकों के सामने प्रकाशित और प्रस्तुत करने की बेहतर स्थिति में भी हैं। शिक्षार्थियों को नए विचारों को अपनाने और चिंतन के माध्यम से अपनी समझ को बदलने के अवसर से लाभ मिलता है (डेल और पिम 2009:63)।

छात्र अपने काम और विचारों को दूसरों के देखने और डाउनलोड करने के लिए सार्वजनिक स्थान पर प्रकाशित करने में सक्षम हैं। मल्टीमीडिया फ़ाइलों को फ़ाइल साझा करने वाली वेबसाइटों जैसे फ़्लिकर, यूट्यूब या स्लाइडशेयर और सोशल बुकमार्किंग साइटों पर साझा किया जा सकता है जो उपयोगकर्ताओं को समान रुचियों वाले उपयोगकर्ताओं के लिए कुछ वेबसाइटों को बुकमार्क करने या कीवर्ड टैग करने की अनुमति देते हैं (कपलान और हेनलेन 2010:189)। ट्विटर के उपयोग से छात्रों की शैक्षणिक सहभागिता बढ़ी और उनके ग्रेड पॉइंट में सुधार हुआ। ट्विटर का उपयोग छात्रों को जोड़ने और शिक्षकों को अधिक सक्रिय और भागीदारीपूर्ण भूमिका में लाने में मदद करने के लिए एक शैक्षिक उपकरण के रूप में किया जा सकता है (जुन्को और लोकेन 2010:122)। छात्रों ने अपनी पढ़ाई के लिए समय का उपयोग करने के बजाय सोशल नेटवर्किंग गतिविधियों पर अधिक ध्यान दिया है और इससे उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। वर्तमान अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर एक दिलचस्प निष्कर्ष निकाला गया है कि छात्र अपने समय का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर रहे हैं और इसलिए, एसएनएस का उपयोग उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को नुकसान नहीं पहुंचाता है (अहमद और काजी 2011:07)।

प्राथमिक उपकरणों के अलावा सहायक प्रौद्योगिकियों का उपयोग इस बात का प्रमाण प्रदान करता है कि आज की कक्षाओं में सामाजिक प्रौद्योगिकियां कैसे प्रचलित हो गई हैं। सामाजिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग पारंपरिक आमने-सामने शिक्षण वितरण के पूरक के रूप में किया जाता है। यह यह भी दर्शाता है कि पारंपरिक शिक्षण और सीखना अभी भी प्रासंगिक है, लेकिन छात्रों के लिए एक समृद्ध सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को पेश करके इसे और अधिक प्रासंगिक बनाया गया है (हामिद एट अल 2011:102)। सीखने के क्षेत्र में सामाजिक नेटवर्क का अध्ययन सामाजिक सीखने की प्रक्रियाओं को शामिल करता है जो तब होता है जब किसी विषय में समान रुचि रखने वाले लोगों का एक स्व-चयनित समूह विचारों को साझा करने या समाधान खोजने के लिए सहयोग करता है (खान 2012:132)। फेसबुक के उपयोग से शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ऐसे रिश्तों के मध्यस्थ के रूप में मल्टीटास्किंग की भूमिका, जहां मल्टीटास्किंग और विश्वविद्यालय में छात्रों की रुचि फेसबुक के उपयोग के आधार पर प्रदर्शन को बढ़ाने में मदद करेगी।

युवाओं ने सोशल मीडिया, खास तौर पर फेसबुक की क्षमताओं और संभावनाओं को प्रभावी ढंग से समझा है। नाइजीरियाई युवाओं को फेसबुक का उपयोग करने के लाभों के बारे में सलाह देना और उन्हें संवेदनशील बनाना बहुत जरूरी है, ताकि वे अकादमिक लेख, सारांश, पाठ, पत्रिकाएँ, शोध निष्कर्ष आदि तक पहुँच सकें, उन्हें इकट्ठा कर सकें और वितरित कर सकें, जिससे उनके ज्ञान का स्तर बढ़ सकता है और साथ ही विभिन्न विषयों में नए विकास के संदर्भ में मुद्रा भी बढ़ सकती है (अदजा और अयोडेले 2013:03)।

फेसबुक को सोशल मीडिया के रूप में इस्तेमाल करने के बाद छात्रों ने अपने ग्रेड में सुधार किया है। सोशल नेटवर्क साइट्स के सुधार और मूल्य अकादमिक प्रदर्शन से संबंधित नहीं थे, बल्कि स्कूल के सामाजिक वातावरण के अनुकूलन से भी संबंधित थे (टुआन और तु 2013:238)। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए सस्ती है और वे छात्रों को कक्षा में अकादमिक उपयोग के लिए भी उपलब्ध हैं। सोशल मीडिया का इस्तेमाल बड़ी कक्षा में विवेकपूर्ण तरीके से नहीं किया जा सकता है। सामाजिक शिक्षण वातावरण में सामान्य रूप से देखे जाने वाले व्यवहारों की जटिलता के बारे में जागरूकता या प्रशंसा में वृद्धि का लाभ शिक्षाविदों की उपकरणों को प्रबंधित करने की क्षमता को बढ़ा सकता है।

सोशल मीडिया का इस्तेमाल दुनिया भर के छात्र व्यक्तिगत और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए व्यापक रूप से करते हैं। ईमेल अब तक संपर्क का सबसे प्रमुख माध्यम था, उसके बाद चैट और इंस्टेंट-मैसेजिंग का स्थान आता है। उपयोगकर्ता अपने शेड्यूल के अनुसार अपनी बातचीत को प्रबंधित कर सकते हैं, यह चुनकर कि वे कब पढ़ना और जवाब देना चाहते हैं। युवा छात्र हाई स्कूल या अपने गृहनगर के दोस्तों के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए बड़े छात्रों की तुलना में फेसबुक का अधिक बार उपयोग करते हैं। सोशल मीडिया अलग-अलग उपयोगकर्ताओं की अलग-अलग संचार आवश्यकताओं को पूरा करता है (मेगन और प्रिसिला 2013:162)। सोशल मीडिया ने युवाओं के ज्ञान का विस्तार किया है और छात्रों को सोशल मीडिया पर अपनी पसंद की बातें कहने की स्वतंत्रता मिली है। छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में रुकावटों से बचने के लिए शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया का विस्तार किया जाना चाहिए और नए पेज बनाए जाने चाहिए। माता-पिता, शिक्षकों और दोस्तों सहित वातावरण उनकी शैक्षणिक उपलब्धि को बेहतर बनाने के लिए एक अच्छा उदाहरण होना चाहिए (कामुह 2014:127)।

सोशल मीडिया पहले से कहीं अधिक व्यापक और तेज़ गति से अकादमिक छात्रवृत्ति को साझा करने और प्रसारित करने की बहुत संभावना प्रदान करता है। वे ज्ञान के अधिक से अधिक परिवर्तन की गुंजाइश भी देते हैं। सोशल मीडिया कनेक्शन छात्रों को अकादमिक और भावनात्मक समर्थन भी प्रदान करते हैं (ल्यूपटन 2014:157)। शैक्षणिक समुदाय के सदस्यों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग बढ़ रहा

है। उन्होंने शिक्षकों और छात्रों के बीच बेहतर तालमेल भी स्थापित किया है। शिक्षकों के लिए मिंग, लर्न सेंट्रल, टीचर-स्ट्रीट और अन्य साइटों ने अकादमिक संबंधों को बढ़ावा दिया है। कुछ विशिष्ट शैक्षणिक साइटें हैं जिनमें सामग्री साझा करने और रेटिंग की सुविधाएँ हैं। सोशल नेटवर्किंग सेवाएँ ज्ञान और कौशल, सहयोग, विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के सहकर्म से सहकर्म सीखने का समर्थन करके औपचारिक शिक्षण वातावरण के बाहर सीखने और कौशल विकास की सुविधा प्रदान कर सकती हैं; आधुनिक कार्यस्थल में मूल्यवान कौशल का विकास और नागरिकता की अधिक सशक्त अवधारणा (ओमेकवु एट अल 2014:177)।

फेसबुक, ट्विटर, ऑरकुट, यूट्यूब, शैक्षिक ब्लॉग और अन्य वेब-आधारित सोशल साइट्स जैसी सोशल मीडिया प्रौद्योगिकियाँ सीखने को एक मजेदार गतिविधि बनाती हैं। एसएनटी प्लेटफॉर्म शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य सहकर्मियों जैसे सभी सामुदायिक शिक्षा को सक्षम बनाता है, उन्हें कई उपकरण प्रदान करके उनके समय की बचत करता है जिसमें शिक्षण सामग्री और आकलन भोजना, होमवर्क सेट करना और कैलेंडर बनाना शामिल है। एसएनटी की उन्नति ने छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, जिससे वे शिक्षा की बेहतरी के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं और वैश्विक स्तर पर ई-लर्निंग को सक्षम बना रहे हैं। एसएनटी के दुरुपयोग को रोकने और इससे बचने के तरीके पर ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है, बजाय इसके कि तकनीकों के उपयोग को रोकने या टालने की कोशिश की जाए (कब्बूर और सावित्री 2015:125)।

छात्रों के शैक्षिक विकास में सोशल मीडिया की भूमिका ने सकारात्मक और नकारात्मक दोनों परिणाम दिए हैं। आधुनिक समाज में सोशल मीडिया साइट्स का तेजी से विकास हो रहा है। कई शोधकर्ताओं ने छात्रों और युवा पीढ़ी के जीवन पर सोशल मीडिया के प्रभाव की जांच की है। सोशल मीडिया छात्रों पर अपने नकारात्मक शैक्षणिक प्रभावों के लिए भी जाना जाता है। एसएनएस के उपयोगकर्ताओं के बीच साझा की जाने वाली जानकारी की मात्रा बहुत भिन्न हो सकती है। इस जानकारी को अवैध उपयोग के लिए एकत्र किया जा सकता है और डेटा माइन किया जा सकता है। कई युवा यौन शिकारियों के साथ-साथ साइबर बदमाशी का शिकार हो सकते हैं। कई बार वैश्विक मंच की अपील लोगों को अपने बारे में ऐसी जानकारी प्रकट करने के लिए प्रेरित कर सकती है, जो दोस्तों को देखने के लिए हानिरहित लग सकती है, हालांकि एसएनएस के प्रत्येक उपयोगकर्ता को इन साइटों पर सार्वजनिक देखने के लिए निर्धारित अनुमतियों के बारे में पता होना चाहिए।

8. निष्कर्ष

सोशल मीडिया छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को गहराई से प्रभावित करता है, जिसमें सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू शामिल हैं। यह स्पष्ट है कि जब सोशल मीडिया का सही और संतुलित उपयोग किया जाता है, तो यह शिक्षा में नए अवसर प्रदान कर सकता है, जैसे कि संसाधनों तक आसान पहुँच, सहयोगात्मक शिक्षण और सृजनात्मकता को बढ़ावा देना। हालांकि, इसके अत्यधिक या अनुचित उपयोग से ध्यान भटकाने, समय की बर्बादी, और गलत जानकारी के प्रसार जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

इस समीक्षा से यह निष्कर्ष निकलता है कि सोशल मीडिया का उपयोग छात्रों की शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए एक प्रभावी उपकरण के रूप में किया जा सकता है, यदि इसे विवेकपूर्ण तरीके से प्रबंधित किया जाए। शिक्षकों, अभिभावकों, और छात्रों को इसके उपयोग के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और सीमाएँ तय करनी चाहिए। इस क्षेत्र में और अधिक शोध आवश्यक है ताकि शिक्षण-प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और लाभकारी बनाया जा सके।

संदर्भ

1. अब्बास, जे., अमन, जे., नूरुन्नबी, एम., और बानो, एस. (2019)। सतत शिक्षा के लिए सीखने के व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव: पाकिस्तान में चयनित विश्वविद्यालयों के छात्रों के साक्ष्य। संधारणीयता, 11(6), 1683.
2. अल-रहमी, डब्ल्यू., और ओथमैन, एम. (2013)। विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच शैक्षणिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया के उपयोग का प्रभाव: एक पायलट अध्ययन। जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम्स रिसर्च एंड इनोवेशन, 4(12), 1-10।
3. कैमिलिया, ओ. एन., इब्राहिम, एस. डी., और दलहातु, बी. एल. (2013)। नाइजीरियाई छात्रों के अध्ययन पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स के उपयोग का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस, 2(7), 39-46।
4. तलाउ, जी.एम., अलसाद, ए., अलरुशैदान, एन., अलहुगैल, ए., और अलफहद, एस. (2018)। चयनित कॉलेज के छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 8(4/5), 27-35।
5. फर्डिंग, आर. ई. 2007. संपादकीय: शिक्षक में सामाजिक सॉफ्टवेयर की जांच। जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी एंड टीचर एजुकेशन, 15(1), 5-10।

6. बालकृष्णन, वी., और गण, सी.एल. (2016)। छात्रों की सीखने की शैलियाँ और सीखने के लिए सोशल मीडिया तकनीक के उपयोग पर उनका प्रभाव। *टेलीमैटिक्स और सूचना विज्ञान*, 33(3), 808-821।
7. बोटिंग, आर., और अमंकवा, ए. (2016)। उच्च शिक्षा में छात्रों के शैक्षणिक जीवन पर सोशल मीडिया का प्रभाव। *ग्लोबल जर्नल ऑफ ह्यूमन-सोशल साइंस*, 16(4), 1-8।
8. मधुसूदन जी. टंडले, और डॉ. रघु रमन। 2016. 'शिक्षण और सीखने में सोशल मीडिया - एक अध्ययन'। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड एप्लाइड साइंसेज, रिसर्च*। खंड 3। अंक 06। पृष्ठ 31-42
9. मुश्ताक, ए. जे., और बेनराघदा, ए. (2018)। स्नातक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया का प्रभाव। *लाइब्रेरी फिलॉसफी एंड प्रैक्टिस*, 4(1), 1-17।
10. राउत, वी., और पाटिल, पी. (2016)। शिक्षा में सोशल मीडिया का उपयोग: छात्रों पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव। *कंप्यूटिंग और संचार में हाल के और नवाचार रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*, 4(1), 281-285।
11. रितिका, एम., और सेल्वराज, एस. (2013)। छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाय चेन मैनेजमेंट पर्सपेक्टिव्स*, 2(4), 636-640।
12. सेलेस्टाइन, ए. यू., और नॉनीलम, ओ. एफ. (2018)। छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड इंजीनियरिंग रिसर्च*, 9(3), 1454-1462।